प्रीत करके जो तूने है,
दिल को चुराया,
गया जबसे मथुरा तो,
वापस न आया।।

तर्ज मोहम्मद रफी तू।

अदा मुस्कुराहट,
चलन ओर चितवन,
वो घुंघराले बालों की,
प्यारी लटकन,
तेरा रूप कोई,
नही भूल पाया,
गया जबसे मथुरा तों,
वापस न आया।।

मेरे और मोहन के,
दरम्यान होकर,
बसा है अजब इश्क,
मेहमान बनकर,
मेरे दिल को दूजा,
कोई भी न भाया,
गया जबसे मथुरा तों,
वापस न आया।।

तेरी याद हरपल,
मुझे यूँ सताये,
करूँ बंद आँखें तो,
निंदिया न आये,
तू रग रग में राजू की,
ऐसा समाया,
गया जबसे मथुरा तों,
वापस न आया।।

प्रीत करके जो तूने है,
दिल को चुराया,
गया जबसे मथुरा तो,
वापस न आया।।

गायक राजू बिदुआ।
9179117103

Source: https://www.bharattemples.com/gaya-jab-se-mathura-to-wapas-na-aaya/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw